Regarding Need to ensure permanent or regular exposition of Sacred Piprahwa Relics, at Kapilvastu Museum in Siddhartha Nagar, Uttar Pradesh-Laid

श्री जगदम्बिका पा ल **(डुमरियागंज) :** मैं भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा अवशेषों के संरक्षण, वापसी और सम्मानजनक सार्वजनिक प्रदर्शन हेतु भारत सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रयासों के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ । सिद्धार्थनगर जनपद के पिपरहवा क्षेत्र में वर्ष 1898 में प्राप्त ये अवशेष विश्वभर के बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत पूजनीय हैं और करुणा, शांति, अहिंसा तथा मानवता के शाश्वत मूल्यों के प्रतीक हैं । मई 2025 में जब अवशेष हांगकांग स्थित Sothebys में नीलामी हेतु सूचीबद्ध हुए, तब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा त्वरित हस्तक्षेप कर नीलामी को रोकते हुए इन्हें सम्मानपूर्वक भारत वापस लाया गया, जो भारत की सांस्कृतिक संप्रभुता और सभ्यतागत उत्तरदायित्व का सशक्त संदेश है । हाल ही में दिल्ली में आयोजित पिपरहवा अवशेषों की प्रदर्शनी का माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किया जाना बौद्ध धरोहर संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । मैं सिद्धार्थनगर की जनता और भगवान बुद्ध के अनुयायियों की ओर से सरकार का धन्यवाद करता हूँ तथा विनम्र निवेदन करता हूँ कि इन पवित्र अवशेषों को उनके मूल स्थलकपिलवस्तु संग्रहालय, सिद्धार्थनगरमें स्थायी अथवा नियमित प्रदर्शनी हेतु प्रदर्शित करने पर विचार कि या जा ए, जिससे तीर्थयात्रा, पर्यटन, स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय विकास को नई गति मिले ।